दैनिक भास्कर
DainikBhaskar.com

रांची / धनबाद-हजारीबाग में छाप रहे थे नकली नोट, 50 हजार के नोट के साथ 2 गिरफ्तार

भिश्तीपाडा में नकली नोट की चल रही थी छपाई, यहां सौ-सौ के जाली नोट के साथ एक गिरफ्तार।

- रामगढ़ पुलिस ने धनबाद, हजारीबाग, रामगढ़ और गया में छापे मारे
- धनबाद से गिरफ्तार आराेपी ने बताया- सौ रुपए का एक नाेट छापने पर छह रुपए मिलते थे

Dainik Bhaskar
Jan 12, 2020, 06:29 AM IST

भास्कर टीम|रांची/धनबाद/रामगढ़. पुलिस ने नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। रामगढ़ के गोला बाजार में एक युवक 2000 रुपए का नकली नोट चला रहा था। लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंपा। रामगढ़ पुलिस ने जब युवक से पूछताछ की तो बड़े गिरोह का खुलासा हुआ। उसकी निशानदेही पर धनबाद, हजारीबाग और बिहार के गया में छापेमारी की, जहां से 50 हजार रुपए से ज्यादा के नकली नोट जब्त किए। नकली नोट छापने में इस्तेमाल होने वाला कलर प्रिंटर, पेपर, लैपटॉप, इंक आदि सामान भी बरामद किया। धनबाद से गिरफ्तार आराेपी ने बताया- सौ रुपए का एक नाेट छापने पर छह रुपए मिलते थे। एक पेज पर तीन साै के नाेट छापने पर उसे 18 रुपए मिलते थे। बिहार का सरगना उस नाेट काे लेकर जाता था। बदले में उसे पैसा देता था। अब उससे पूछताछ में कई अाैर शहराें में नकली नाेट के धंधे का खुलासा हाेने की उम्मीद है।

शनिवार को गोला के बनतारा डेली मार्केट में लोगों ने आरोपी अरुष वर्मा को दो हजार रुपए का नकली नोट चलाते हुए पकड़ा। उसे पुलिस को साैंप दिया। रामगढ़ पुलिस ने जब आरोपी से सख्ती से पूछताछ की तो उसने नोट छपाई के ठिकानों का खुलासा किया। अरुष अपनी बोलेनो-जेएच 10डीडब्ल्यू-5625 से बोकारो से रांची जा रहा था। पुलिस ने उसके पास से 2000 रुपए के नकली नाेट बरामद किए। फिर हजारीबाग में छापा मारकर 100, 500 और दो हजार के नकली नोट जब्त किए।

धनबाद-हजारीबाग में छापेमारी में मिले नकली नोट और ये सामान
धनबाद में लैपटॉप, कंप्यूटर, प्रिंटर, इंक, 35 पेज पर एक तरफ छपा 100-100 रुपए का नाेट, बाकी अन्य पेज पर दाेनाें तरफ छपा साै के नाेट, दाे पैकेट ए-4 साइज का पेपर अादि। हजारीबाग में भी नोट छापने के उपकरण सहित सौ, पांच सौ और दो हजार के 10-12 नोट मिले हैं। हालांकि यहां से आरोपी फरार हो गया।

नोट इकट्टा नहीं करते, छापते जाते और मार्केट में खपाते जाते-एसपी
रामगढ़ एसपी प्रभात कुमार के मुताबिक अभी छापेमारी जारी है। जांच के बाद ही कुछ कह पाएंगे। अब तक हुई पड़ताल से पता चला है कि इनका कोई सरगना है जिसका संबंध बिहार से है। पुलिस टीम गया भी गई है। ये लोग लंबे समय से नोट छाप रहे थे लेकिन इकट्ठा करने की बजाय मार्केट में खपाते जा रहे थे।

बिहार के सरगना ने नाेट छापने की बताई थी तकनीक
पूछताछ में रजनीश ने बताया कि बिहार के एक व्यक्ति ने नकली नाेट छापने के बारे में सिखाया था। किराए पर मकान लेने के बाद सारा सामान भी उसने ही उपलब्ध कराया था। नकली नाेट छापने का सरगना बिहार का गया हाेने का संदेह है। बाेकाराे सेक्टर 9 का रहने वाला साैरभ कुमार ने रजनीश काे भिश्तीपाडा में किराए का मकान दिलाया था। मकान मालिक के मुताबिक पिछले 15 दिनाें से वह यहां रह रहा था। मकान के तीसरा तल्ला पर रजनीश नकली नाेट का छपाई करता था। जिसकी भनक किसी काे नहीं लग पाई। पुलिस साैरभ कुमार के बारे में पता लगा रही है। अरूष, रजनीश का परिचित बताया जा रहा है।

Source: https://www.bhaskar.com/jharkhand/ranchi/news/fake-notes-were-printed-in-dhanbad-hazaribagh-126493529.html